IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

तृतीय लिंग समुदाय की शिक्षा की स्थिति छत्तीसगढ के सन्दर्भ में

डॉ . लता मिश्रा

शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़

हमारा संविधान एक ऐसे समाज की कल्पना करता है जो सामाजिकए आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से समतायुक्त न्याय पर आधारित हो । व्यक्तियों को विचारों की अभिव्यक्ति तथा धर्म सम्बंधी विष्वासों की नागरिकों में पारस्परिक सद्भावना सहयोग व सहिष्णुता हो । शिक्षा के द्वारा ही आर्थिक व्यवस्था के विभिन्न स्तरों के लिये जरूरत के अनुसार जन शक्ति का विकास होता है अर्थात किसी व्यक्ति की शैक्षिक स्थिति उसकी सामाजिक स्थिति एवं उसकी आर्थिक स्थिति एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। ;राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986द्ध शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला है । समतामूलक तथा शोषण विहिन समाज की आधारशिला शिक्षा द्वारा रखी जा सकती है । मानव होने की सार्थकता हमारी संवेदनशीलता पर निहित है । तृतीय लिंग समुदाय भी मानव समाज का एक ऐसा वर्ग है जो हाषिये में जीवन यापन कर सदियों से मानव समाज के भीतर तिरिस्कार झेलता रहा है और शोषण का शिकार होता रहा है। पहले विकसित देशों में तृतीय लिंग समुदाय के हितों और अधिकारों के लिए आन्दोलन हुए और उन्हें समान अधिकार और अपेक्षित सुविधा देने पर सहमति बनी । अब विकासशील देशो में इसकी चर्चा हो रही है। भारत में भी तृतीय लिंग समुदाय की उपेक्षा और शोषण को अब महसूस किया जाने लगा है और इस समुदाय की सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन होने लगा है । इसी कडी में यह शोध पत्र छत्तीसगढ राज्य के तृतीय लिंग समुदाय की शिक्षा की स्थिति के आकंलन का एक प्रयास है जो मानव समाज में इस वर्ग की स्थिति के एक हिस्से को प्रस्तुत करती है।

प्रस्तावना .

मानव विकास के उच्च शिखर पर पहुच गया हैं। आज वह प्रकृति पर नियन्त्रण करने लगा है । मानव समाज के प्रत्येक कमजोर वर्ग और उपेक्षित वर्ग को बराबरी पर लाने का हर सम्भव प्रयास शुरु हो चुका है । अन्य देशों की तरह भारत में भी तृतीय लिंग समुदाय एक उपेक्षित व शोषित वर्ग के रुप में रहा है । पुरुषए स्त्रीए के अलावा यह वर्ग जो जन्मजात ए न तो स्त्री है और न ही पुरुष उसे तृतीय लिंग के वर्ग में रखा जाता है । मोटे तौर पर कहा जाये तो इस वर्ग के मानव में प्रजनन क्षमता नही होतीए भले ही बाहरी तौर पर यह स्त्री अथवा पुरुष की तरह दिखाई दे। इस तरह के व्यक्ति की जन्म के समय ऐसे शिशु के शरीर में न ही स्त्री और न ही पुरुष योनि के रुप में विद्यमान होती है । भारत में इन्हें हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिजडा कहा जाता है

छत्तीसगढ में तृतीय लिंग समुदाय की स्थिति भारत में 2011 के पहले के जनगणना में तृतीय लिंग समुदाय के आबादी की जानकारी नही हुआ करती थी पर वर्ष 2011 में पहली बार जनगणना प्रतिवेदन में तृतीय लिंग समुदाय के आकडें अलग से दिये गये । इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में तृतीय लिंग समुदाय की कुल आबादी 487803 थी । जिसमें से सर्वाधिक आबादी के साथ उत्तरप्रदेश प्रथम स्थान पर था जबकि भारतीय गणतन्त्र के सत्ताइसवें राज्य छत्तीसगढ में इस समुदाय की आबादी 6591 थी ।

तृतीय लिंग समुदाय का इतिहास .

तृतीय लिंग की उपस्थिति वैदिक काल ;आदिकालद्ध से है । अध्ययन से हमे तृतीय लिंग समुदाय का समाज में सम्मान जनक स्थिति का पता चलता है। जिसमें उन्हे अंगरंक्षक सेनापति के पद पर रख जाता था । परन्तु आज की वर्तमान स्थिति भिन्न है।

वर्तमान समय में तृतीय लिंग समुदाय . समय के साथ . साथ तृतीय लिंग समुदाय की स्थिति में परिवर्तन होते गया । उनकी स्थिति निम्न से निम्नतर होती गई । इस समुदाय को समाज की मुख्य धारा से बाहर कर दिया गया । इन्हें मुख्यधारा से बाहर ही नहीं किया गया बल्कि समाज में इनके प्रति डर और अफवाहों को भी लोगों में भरा गयाए ताकि लोग इनके प्रति नकारात्मक रवैया अपनाएं और यह समाज की मुख्यधारा में आने का प्रयास न कर सकें । वर्तमान में यह समुदाय समाज में तिरस्कार और अपमान का दंष झेलने के लिए विवश हैं। इन्हें रोजगार देना तो दूरए इनसे घर के बर्तन तक नहीं मंजवाये जाते हैं । शारीरिक शोषण केवल महिलाओं के साथ हीं नहीं होता बल्कि यह समुदाय भी इससे अछूता नहीं है। इस समुदाय को मनुष्यता के सामाजिक पैमाने से भी बाहर कर दिया गया है तृतीय लिंग समुदाय पर अनुसंधान . तृतीय लिंग की शैक्षणिक स्थिति पर अनुसधांन की दृष्टि से विदेश तथा भारतीय विश्वविद्यालयों में अनेक पीएचण्डी थीसिस लिखे गये। तृतीय लिंक समुदाय से संबंधित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए शोध बताते है कि इनको सामाजिक रूप से बहिष्कृत किया गया है। इनकी आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक स्थिति निम्नतर है। बहरहाल छत्तीसगढ राज्य में तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति के अध्ययन के प्रयास का पहला शोधपत्र है ।

अध्ययन के उद्देश्य

1ए तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना।
2ए तृतीय लिंग के उनके हित में शासन की नीतियों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
3ए तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति एवं शासन की नीतियों के प्रति जागरूकता में वृद्धि हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

परिकल्पनाये .शोध प्रश्न

1ए तृतीय लिंग समुदाय की आयुवर्ग स्थिति कैसी है ध्
2ए तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति कैसी है ध्
3ए तृतीय लिंग समुदाय को शिक्षा प्राप्ति के दौरान बाधक स्तर कैसा था ध्
4ए तृतीय लिंग समुदाय का शासन की नीतियों के प्रति जागरूकता का स्तर कैसा है ध्

विषय

तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना

जनसंख्या

;मतगणना 2011 के अनुसार ष्छत्तीसगढ राज्य के रायपुर जिला में निवासरत तृतीय लिंग समुदाय की जनसंख्या 161 है।
द्ध ष्छत्तीसगढ राज्य के रायपुर जिला में निवासरत तृतीय लिंग समुदाय ।ष

सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है

प्रस्तुत लघुशोध में रायपुर जिले में निवासरत तृतीय लिंग समुदाय यादृच्छिक `पउचसम त्ंदकवउ`ैंउचसपदह एवं उद्देश्य पूर्ण च्नतचवेपअम`ैंउचसपदह विधि से चयन किया गया है

न्यादर्श .

न्यादर्श का आकार

नाम	योग
रायपुर जिले में निवासरत तृतीय लिंग समुदाय	50
योग	50

उपकरण शिक्षक निर्मित उपकरण का उपयोग किया गया है।

आंकड़ों के संग्रहण की प्रक्रिया

तृतीय लिंग समुदाय से मिलकर प्रश्नोत्तर सूची के माध्यम से डाटा एकत्र किया गया। डाटा एकत्र करनके पश्चात डाटा इन्टी एवं स्कोरिग का कार्य किया गया । डाटा का वर्गीकरणए सारणीयनए आरेखीय निरूपण किया गया ।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं निष्कर्षो की व्याख्या

शोध प्रश्न. 01

तृतीय लिंग समुदाय की आयुवर्ग स्थिति कैसी है ?

सारणी क्रमांक 1

आयु स्थिति

30 वर्ष से कम आयु प्रतिशत	30 वर्ष से अधिक आयु प्रतिशत
70	30
योग	100 प्रतिशत

विश्लेषण. उपरोक्त प्राप्त आकडो के विश्लेषण से स्पष्ट है कि तृतीय लिंग समुदाय में 70 प्रतिशत वयक्ति 30 वर्ष से कम आयु है एवं 30 प्रतिशत व्यक्ति 30 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

ग्राफीय प्रदर्शन इस प्रकार है ?

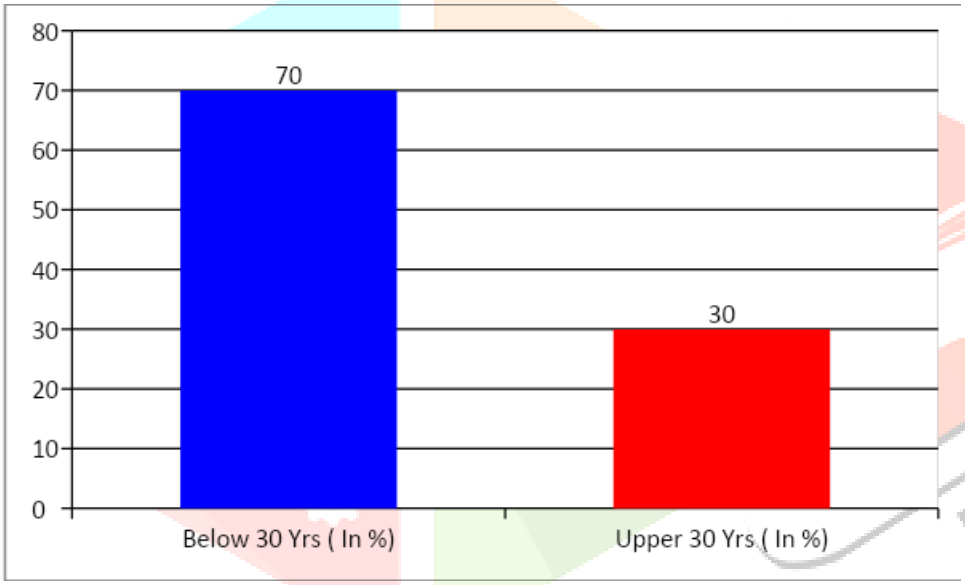

शोध प्रश्न. 02

तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति कैसी है ?

सारणी क्रमांक 2

क्रमांक	शैक्षिक स्थिति	संख्या	प्रतिशत मे
1	अशिक्षित	2	4
2	प्राथ	8	16
3	माध्म	16	32
4	हाई स्कूल	10	20
5	स्नातक	4	8
6	स्नातकोत्तर	1	2
	योग	**50**	**100**

ग्राफीय प्रदर्शन इस प्रकार है .

तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति एवं संख्या के बीच ग्राफ

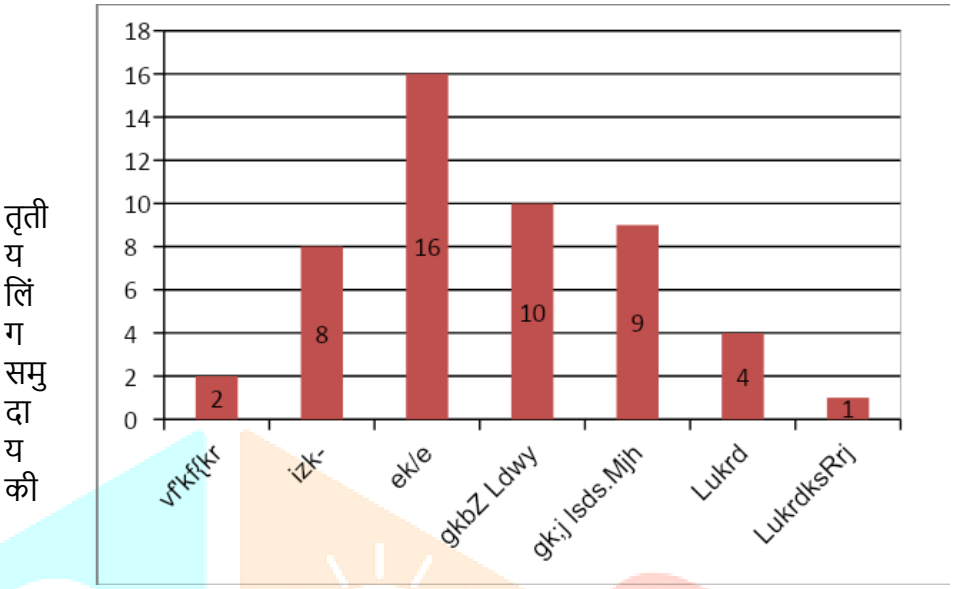

तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति

विश्लेषण .

उपरोक्त प्राप्त आकडो के विश्लेषण से स्पष्ट है कि तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति उत्तम नही है। प्राप्त आकडो के अनुसार निम्नानुसार .अशिक्षित 4 प्रतिशत प्रायमरी 16 प्रतिशत माध्यमिक में 32 प्रतिशत हाई स्कूल में 20 प्रतिशत हायर सेकेण्डरी में 18 प्रतिशत स्नातक 8 प्रतिशत स्नातकोत्तर 2 प्रतिशत प्राप्त आकडो से स्पष्ट है कि मिडिल एवं हाई स्कूल का प्रतिशत सर्वाधिक है। हाई स्कुल के बाद बच्चे स्कूल जाना छोड देते है । उच्च शिक्षा तक मात्र 2 प्रतिशत ही पहुच पाते है। जो चिंतनीय है शैक्षिक स्थिति में सुधार की अत्यन्त आवश्कता हैं।

शोध प्रश्न. 03

तृतीय लिंग समुदाय के लिए शिक्षा प्राप्ति के दौरान बाधक स्तर कैसा था ?

सारणी क्रमांक 3

खण्ड अ ;शैक्षिक स्तर पर आने वाली बाधाओं का स्तरद्ध

क्रण	प्रश्न	हाँ प्रतिशत मे	नही प्रतिशत मे	जानकारी नही प्रतिशत मे	योग प्रतिशत
1	शिक्षा प्राप्ति के दौरान असमानता का व्यवहार किया गया ६	88	12	0	100
2	शिक्षा प्राप्ति के दौरान स्कुल छोड़ने के लिए मजबुर होना पड़ा ६	88	12	0	100
3	शिक्षा प्राप्ति के दौरान परिवार से आपकी शिक्षा में सहयोग प्राप्त हुआ ६	69	31	0	100
4	शिक्षा प्राप्ति के दौरान आपके सहपाठियों से सहयोग प्राप्त हुआ ६	31	69	0	100
5	शिक्षको का व्यवहार आपको असहयोगात्मक लगता था ६	92	8	0	100
6	शिक्षा के दौरान शैक्षिक प्रगति के लिए विद्यालय में आवश्यक सहायता प्रदान की गई ६	30	70	0	100
7	विद्यालय का वातावरण सहयोगात्मक था ६	27	73	0	100
8	परिवार के साथ रहना अच्छा लगता है ६	82	18	0	100
9	प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है ६	82	14	4	100
10	तृतीय लिंग समुदाय को शासन द्वारा स्कालररशीप की सुविधा शासन द्वारा दी जाती है।	60	40	0	100
11	क्या आपने स्कालरशीप का लाभ लिया है ६	0	84	16	100
12	2009 में सभी बच्चों के लिये निशुल्कः और अनविार्य शिक्षा का प्रावधान किया गया है	88	10	2	100
13	प्रत्येक नागरिक को शोषण के विरूद्व अधिकार प्राप्त है।	92	6	2	100
14	क्या आप कभी शारीरिक या मानसिक शोषण का शिकार हुए है ६	80	20	0	100
15	शासन द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के लिये प्रमाण पत्र अधिकारी द्वारा जारी किया जाता है।	90	10	0	100
16	क्या आपने ट्रांजेण्डरद्धतृतीय लिंग का प्रमाण.पत्र प्राप्त किया है ६	62	38	0	100

ग्राफीय प्रदर्शन इस प्रकार है .

तृतीय लिंग समुदाय शैक्षिक स्तर पर आने वाली बाधाओं एवं संख्या के बीच ग्राफ

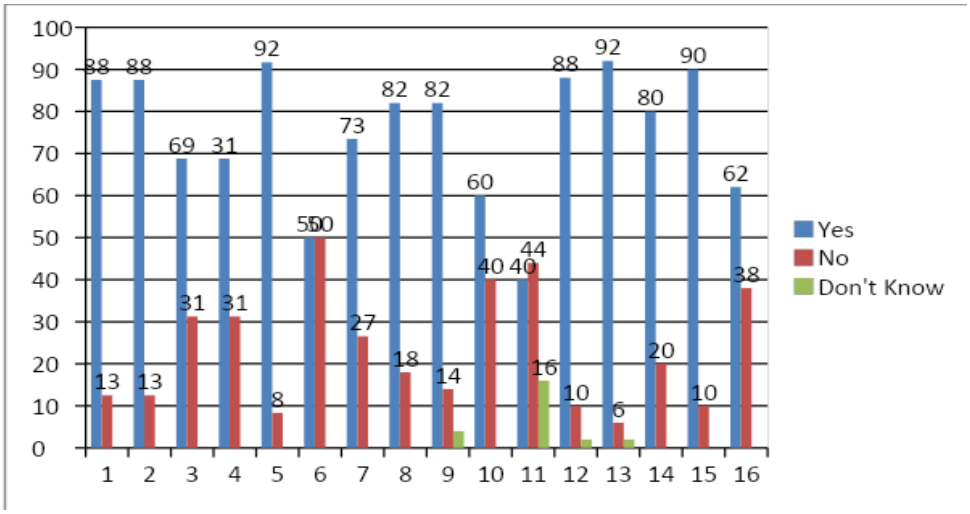

तृतीय लिंग समुदाय शैक्षिक स्थिति संबंधी प्रतिक्रिया

विश्लेषण.

उपरोक्त प्राप्त आंकडो विश्लेषण से स्पष्ट है कि तृतीय लिंग समुदाय को शिक्षा प्राप्ति के दौरान अनेक बाधा का सामना करना पडा । शिक्षा प्राप्ति के दौरान 88 **प्रतिशत** व्यक्तियो के साथ असमानता का व्यवहार किया गया। 88 **प्रतिशत** व्यक्तियो को स्कुल छोड़ने के लिए मजबुर होना पड़ा। शिक्षा प्राप्ति के दौरान 69 **प्रतिशत** व्यक्तियो को सहपाठियों से सहयोग प्राप्त नही हुआ 92 **प्रतिशत** व्यक्तियो को शिक्षको का व्यवहार असहयोगात्मक लगा। 70 **प्रतिशत** को शिक्षा के दौरान शैक्षिक प्रगति के लिए विद्यालय में आवश्यक सहायता प्रदान नही किया गया । 73 **प्रतिशत के साथ** विद्यालय का वातावरण सहयोगात्मक नही था।

सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव . तृतीय लिंग समुदाय के बच्चों को विदयालय स्तर पर आने वाली समस्या जिसमे शिक्षक का व्यवहार एसहपाठियो का का व्यवहार विदयालय का वातावरण अनुकुल न होने के कारण 70 प्रतिशत बच्चों का अध्ययन अधुरा रह गया । उच्चशिक्षा तक न पहुचने में निम्न बाधाये .

- विद्यालय के वातावरण का अनुकुल न होना
- शिक्षको का असहयोगात्मक व्यवहार
- सहपाठियो का र्दुव्यवहार
- अपमान जनक व्यवहार आवश्यकता सहयोग का आभाव जिसके कारण हाई स्कूल तक पहुचते तक स्कूल छोड देते है।

तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति उत्तम नही हैं उच्च शिक्षित व्यक्ति का प्रतिशत 2 है जो शिक्षा के निम्न स्तर को प्रर्दशित करती है ।

तृतीय लिंग समाज को सम्मान जनक स्थिति मे लाने के लिए की निम्न कार्यो की आवश्यकता हैं .

1ण तृतीय लिंग समुदाय के बच्चों को पहचान प्रारंभिक स्तर पर करने की आवश्यकता है।

2ण परिवार को उनमुखीकरण की आवश्यकता।

3ण परिवार शिक्षक बच्चे के बीच समन्वय की आवश्यकता।

4ण बच्चो का उनमुखीकरण की आवश्यकता।

5ण तृतीय लिंग बच्चो की पहचान कर अनुकुल अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है ।

6ण तृतीय लिंग बच्चो के साथ संवेदनशिल व्यवहार तथा विदयालय का वातावरण अनुकुल व सुरंक्षित करना अत्यन्त आवश्यकता है।

7ण तृतीय लिंग समुदाय हेतु शासकीय योजनाओं का प्रचार . प्रसार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

8ण तृतीय लिंग समुदाय क लिऐ विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यव्स्था करने की आवश्यकता हैं।

9ण तृतीय लिंग समुदाय के लोगो के विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना

10ण तृतीय लिंग समुदाय के लोगो को सार्वजनिक सेवाओ से जोडना।

संदर्भ .

1 तीसरी ताली उपन्यास . सौरभ प्रदीप ;2011द्ध वाणी प्रकाशन दिल्ली प्रथम संस्करण पृष्ठ 117
2 तीसरी ताली सौरभ प्रदीप ;2011द्ध वाणी प्रकाशन दिल्ली प्रथम संस्करण पृष्ठ 139ए154
3 थर्ड जेण्डररू अतीत और वर्तमान ; डॉ॰ खान एमण्फीरोज़ द्ध
4 जिदंगी 50.50 . ;भगवंत अनमोलद्ध

डॉ ण्लता मिश्रा
शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर